A–0185

Total Pages : 3 **Roll No. .....**

MASL–601

M.A. Sanskrit (MASL)

(काव्य शास्त्र भाग-01)

Examination, June 2025

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट :— यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) 2×19=38

नोट :— खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. संस्कृत काव्यशास्त्र का परिचय देते हुए दण्डी और आचार्य भरत के योगदान को परिभाषित कीजिए।

2. संस्कृत गद्य साहित्य के विकास पर विस्तृत निबन्ध लिखिए।

3. संस्कृत नाट्य साहित्य में भास और महाकवि कालिदास के योगदान को रेखांकित कीजिए।

4. भामह एवं दण्डी के जीवन वृत्त एवं कृतित्व का सविस्तार वर्णन कीजिए।

5. रामायण एवं महाभारत की प्रासंगिकता स्पष्ट करते हुए समाज के लिए उपयोगिता पर प्रकाश डालिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न) 4×8=32

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. कालिदास की नाट्यकला का मूल्यांकप कीजिए।

2. टिप्पणी लिखिए–

   उपमा कालिदासस्य

3. आचार्य विश्वनाथ के काव्यलक्षण का प्रतिपादन कीजिए।

4. पण्डितराज जगन्नाथ के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालिए।

5. राम के आदर्शों की उपयोगिता सिद्ध कीजिए।

6. गद्य साहित्य में बाणभट्ट का स्थान रेखांकित कीजिए।

7. राजशेखर का परिचय लिखिए।

8. कादम्बरी का कथासार लिखिए।

****